यीशु मसीह एक बार पृथ्वी पर आए — उन्होंने जीवन बिताया, क्रूस पर मरे, पुनरुत्थान पाया और स्वर्ग में आरोहित हुए।
लेकिन क्या वे दोबारा आएंगे?
हाँ, बिल्कुल। बाइबल स्पष्ट रूप से सिखाती है कि यीशु मसीह शारीरिक रूप से और प्रत्यक्ष रूप में इस पृथ्वी पर पुनः वापस आएंगे।

वे क्यों लौटेंगे?

वे वापस आकर पृथ्वी पर राजा के रूप में राज्य करेंगे और अपने संतों के साथ अपना राज्य स्थापित करेंगे।

सृष्टि के आरंभ में, परमेश्वर ने मनुष्य को पृथ्वी पर अधिकार दिया था।

“फिर परमेश्वर ने कहा, आओ हम मनुष्य को अपने स्वरूप के
अनुसार अपनी समानता में बनाएं; और वे समुद्र की मछलियों,
आकाश के पक्षियों, घरेलू पशुओं, सारी पृथ्वी और पृथ्वी पर रेंगने वाले सब जीवों पर प्रभुता करें।”
(उत्पत्ति 1:26-28)

यह अधिकार आदम को सौंपा गया था। लेकिन जब आदम ने पाप किया, उसने

यह प्रभुता खो दी, और शैतान को संसार की व्यवस्था में कुछ अधिकार मिल गया।
देखें: लूका 4:6; 2 कुरिन्थियों 4:4

परन्तु क्रूस और पुनरुत्थान के द्वारा, यीशु मसीह ने शैतान पर जय पाई, और उसकी शक्ति को निष्फल कर दिया:

“उसने प्रधानताओं और अधिकारियों को अपने ऊपर से उतार फेंक
कर उन्हें अपने विजय के जुलूस में सबके सामने दिखाया।” (कुलुस्सियों 2:15)

और उन्होंने सब अधिकार को पुनः प्राप्त किया:

“स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।”
(मत्ती 28:18)

यह अधिकार केवल आत्मिक नहीं, बल्कि वास्तविक और राजकीय भी है। यीशु को अवश्य लौटना है ताकि वे अपने अधिकार को पृथ्वी पर प्रत्यक्ष रूप में प्रयोग करें। उनका राज्य कोई कल्पना नहीं

होगा, बल्कि प्रत्यक्ष, धार्मिक और सम्पूर्ण विश्वव्यापी होगा।

“सातवें स्वर्गदूत ने तुरही फूंकी, और स्वर्ग में बड़े बड़े शब्द हुए, जो कह रहे थे, संसार का राज्य हमारे प्रभु और उसके मसीह का हो गया है; और वह युगानुयुग राज्य करेगा।” (प्रकाशितवाक्य 11:15)

जब वह लौटेंगे तब क्या होगा?

जब मसीह लौटेंगे, वे सब जातियों का न्याय करेंगे
(मत्ती 25:31-46),
विरोधी मसीह और उसकी सेनाओं को पराजित करेंगे (प्रकाशितवाक्य 19:19-21),
और शैतान को हज़ार वर्षों के लिए बाँध देंगे (प्रकाशितवाक्य 20:1-3)।

इसके बाद वे हज़ार वर्षों का अपना राज्य यरूशलेम से आरंभ करेंगे और पूर्ण न्याय व शांति से शासन करेंगे।

जो लोग उनके अधिकार को अस्वीकार करेंगे, वे न्याय के अधीन होंगे। लेकिन वे जो उसके प्रकट होने से प्रेम रखते हैं

(2 तीमुथियुस 4:8),
जो विश्वासयोग्य बने रहते हैं और इस जीवन में जय पाते हैं, उन्हें उसके साथ राज्य करने का सम्मान मिलेगा।

“देख, मैं द्वार पर खड़ा होकर खटखटा रहा हूं; यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा तो मैं उसके पास भीतर जाकर उसके
साथ भोजन करूंगा और वह मेरे साथ। जो जय पाए, मैं उसे अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठने दूंगा, जैसा कि मैं जय पाकर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठा हूं।”
(प्रकाशितवाक्य 3:20-21)

“यदि हम धीरज धरें तो उसके साथ राज्य भी करेंगे।”
(2 तीमुथियुस 2:12)

हज़ार वर्षों का राज्य क्या है?

हज़ार वर्षों का राज्य (Millennial Reign) का वर्णन प्रकाशितवाक्य 20:1-6 में मिलता है। यह मसीह के पुनः आगमन के बाद पृथ्वी पर 1000 वर्षों तक वास्तविक शासन को दर्शाता है।

इस समय के दौरान:

शैतान बाँधा जाएगा और वह राष्ट्रों को धोखा नहीं दे सकेगा।
जो संत मसीह के प्रति विश्वासयोग्य रहे, वे उसके साथ राज्य करेंगे।
संसार में शांति, धार्मिकता और पुनर्स्थापन आएगी।

“और वे जीवित हो गए, और मसीह के साथ हज़ार वर्ष तक राज्य
किया।”
(प्रकाशितवाक्य 20:4)

यह राज्य पुराने नियम की कई भविष्यवाणियों की पूर्ति है (देखें यशायाह 2:1-4; जकर्याह 14:9) और यह उस अन्तिम अनन्तकाल की पूर्व-पीठिका है जब परमेश्वर नया आकाश और नई पृथ्वी रचेगा। (प्रकाशितवाक्य 21:1)

निष्कर्ष

यीशु केवल उद्धारकर्ता ही नहीं, वे राजा भी हैं। और वे फिर से आने वाले हैं ताकि पृथ्वी पर अपने राज्य को स्थापित करें जैसा स्वर्ग में है।
हम विश्वासी केवल स्वर्ग की प्रतीक्षा नहीं कर रहे, बल्कि उस दिन की भी आशा कर रहे हैं जब पृथ्वी पर धार्मिकता का राज्य होगा

और मसीह सार्वजनिक रूप से महिमामंडित होंगे।

“और उस धन्य आशा और अपने महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा के प्रकट होने की बाट जोहें।”
(तीतुस 2:13)

इसलिए हमें विश्वासयोग्य, जागरूक, तैयार और उसकी वापसी के लिए उत्सुक रहना चाहिए।
यदि आप और गहराई से सीखना चाहते हैं, तो यह अध्ययन पढ़ें: “मसीह के हज़ार वर्षों के राज्य को समझना।”

प्रभु आपको आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp